आज का सुविचार
अपने काम को गुप्त रखें पर अपने काम के नतीजे सबको दिखाएं।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 95 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 28 नवंबर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Fundamental Rights- संपत्ति का मौलिक अधिकार क्या था और इसे संविधान से क्यों हटा दिया

यह एक कटु सत्य है कि सर्वाधिक विवादों की जड़ संपत्ति होती है। पड़ोस, परिवार, समाज, समुदाय, देश या विदेश सभी की अधिकांश समस्या संपत्ति से ही उत्पन्न होती है। संविधान निर्माण के पश्चात इसे भी अधिकांश संपत्ति झगड़े, विवाद संपत्ति के मूल अधिकार के पीछे सहने पड़े हैं। समाजवादी समाज की रचना के लिए कभी संसद ने विधि बनाकर संविधान में संशोधन कर इसे सही रूप देने का प्रयास किया तो कभी न्यायालयों द्वारा व्यक्ति के निजी अधिकार की सुरक्षा करते हुए उनके हित में निर्णय दिये। दोनों के बीच यह सिलसिला लम्बे समय तक चलता रहा। संघर्ष की इस लम्बी यात्रा के बाद यह उचित समझा गया कि संपत्ति के मूल अधिकार को अध्याय से ही निकाल दिया जाना चाहिए अत: में भारतीय संविधान के 44 वे संविधान संशोधन अधिनियम,1978 द्वारा संपत्ति के मूल अधिकार को समाप्त (हटा दिया) कर दिया गया।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

विशेष नोट-

अब संपत्ति का अधिकार संविधान के भाग 12 के अध्याय 04 के अनुच्छेद 300 (क) के अंतर्गत एक संवैधानिक अधिकार है, अब मौलिक अधिकार नहीं। इस प्रकार हम बात करें तो भारतीय संविधान में प्रारम्भ में सात प्रकार के मौलिक अधिकार प्राप्त थे लेकिन 44 वे भारतीय संविधान संशोधन अधिनियम 1978 द्वारा संपत्ति के मूल अधिकार को हटा दिया गया अब वर्तमान में भारतीय संविधान में छ: प्रकार के मौलिक अधिकार प्राप्त है जिसका वर्णन हम अपने लेखों में कर रहे।

कानून व्यवस्था की आदर्श स्थिति सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नागरिकों का सामान्य जन-जीवन सुनिश्चित करने के लिए सभी तरह के अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण की कार्यवाही की जाए। कानून व्यवस्था की जिले में अच्छी एवं आदर्श स्थिति रहे, यह कलेक्टर एसपी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार की रात्रि मुख्यमंत्री निवास प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, एस पी से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश

अपराध नियंत्रण पहली प्राथमिकता हो। पुलिस की नियमित गश्त होना चाहिए। किसानों को कहीं भी खाद की समस्या ना हो, उचित प्रबंधन करें। वितरण की व्यवस्था सुधारने पर ध्यान दें। खाद लेने के लिए अधिक देर लाइन में लगने की नौबत ना आए, ऐसी व्यवस्था बनाएं। किसी किसान को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। अधिकांश जिलों में ठंड की अधिकता को देखते हुए जनता के लिए व्यवस्थाएं बनाएं। गांवों से शहरों में या केंद्रों में खाद क्रय करने आएं किसान बंधुओं के लिए भी शीतकाल से बचाव के आवश्यक उपाय करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्योपुर सहित 6 जिलों के किसानों को करेंगे राहत राशि का वितरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 नवंबर को श्योपुर जिले के बड़ौदा में आयोजित कार्यक्रम में श्योपुर सहित 6 जिलो के किसानों को फसल क्षति की राहत राशि का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 लाख 5 हजार 410 प्रभावित किसानों के बैंक खातों में 238 करोड़ 78 लाख रूपये की राशि अंतरित करेंगे। श्योपुर, हरदा, विदिशा, नर्मदापुरम, धार, खण्डवा जिलों की 23 तहसीलों के 2 हजार 148 ग्रामों के किसानों को अतिवृष्टि, बाढ और पीला मौजेक कीट व्याधि से हुई फसल क्षति की राहत राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसी दिन मुरैना जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में 162 करोड़ 55 लाख रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बडौदा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत 2 करोड 75 लाख रूपये की लागत से सेसईपुरा में निर्मित आदिवासी बालक आश्रम का लोकार्पण होगा। इसके साथ ही 14 करोड 80 लाख की लागत से श्योपुर में बनने वाले नर्सिग कॉलेज भवन, 14 करोड 95 लाख की लागत से श्योपुर में बनने वाले 50 बिस्तरीय एकीकृत आयुष चिकित्सालय, ग्राम बलावनी में 2 करोड 53 लाख एवं डाबीपुरा में 2 करोड 49 लाख की लागत से बनने वाले नवीन 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्रों के निर्माण के लिए शिलान्यास किया जायेगा।

माँ नर्मदा- कलयुग में ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक महत्व

मां नर्मदा, जिन्हें शिव पुत्री के नाम से भी जाना जाता है, मां नर्मदा का जन्म भगवान शिव के पसीने से हुआ था। उनका जल अत्यंत पवित्र और मोक्षदायी माना जाता है। यह माना जाता है कि माँ के जल में स्नान करने से प्राणी के पापों का नाश होता है, और इसी कारण उन्हें मोक्षदायिनी माँ कहा जाता है।

-पौराणिक महत्व- मोक्षदायिनी माँ नर्मदा का जल अत्यंत पवित्र है और इसमें स्नान करने से पापों का नाश होता है, जिससे प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ऋषि-मुनियों की तपस्या- माँ नर्मदा के तट पर ऋषि-मुनि कमंडल से कमंडल सटाकर तपस्या करते हैं। माँ के प्रताप से हर कंकर को शंकर माना जाता है, जो उनकी दिव्यता का प्रतीक है।

मानसिक और शारीरिक शुद्धिकरण- माँ नर्मदा का जल मनुष्य के मानसिक और शारीरिक शुद्धिकरण में सहायक है। माँ नर्मदा का जल ज्योतिषी दोषों जैसे कालसर्प दोष और ग्रहण के दोषों को दूर करता है।

धार्मिक महत्व : कलयुग में माँ नर्मदा का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। यह माना जाता है कि उनके जल में स्नान करके प्राणी को मोक्ष मिलता है।मां नर्मदा की परिक्रमा एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है, जो हर साल चातुर्मास की समाप्ति के बाद प्रबोधिनी एकादशी से शुरू होती है। लाखों श्रद्धालु, जिन्हें परिक्रमावासी कहा जाता है, मोक्ष की मनोकामना लेकर पैदल चलकर माँ नर्मदा की विशाल परिक्रमा करते हैं। माँ नर्मदा को भारत की सबसे पवित्र और कष्टहरिणी माँ के रूप में जाना जाता है ,कहा जाता है कि इसमें स्नान करने से व्यक्ति पाप मुक्त हो जाता है, यह दुनिया की एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने की भावना के साथ परिक्रमा करते हैं, माँ नर्मदा की परिक्रमा आत्म-अनुभूति, शांति और सुख प्रदान करने वाली होती है।माँ नर्मदा मनुष्य को अहंकार से विनम्रता और शांति की ओर ले जाती है,परिक्रमा के दौरान मनुष्य पैदल चलकर माँ नर्मदा के जल में स्नान करता है और प्रकृति के करीब रहकर शांति और सुख का अनुभव करता है, माँ की परिक्रमा मनुष्य की सांसारिक चिंताओं को दूर करने वाली और मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली होती है, माँ नर्मदा की परिक्रमा जीवन के भोग और योग के बीच संतुलन सिखाती है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नर्मदा परिक्रमा करने से व्यक्ति के समस्त कष्ट नष्ट हो जाते हैं, अहंकार का नाश होता है, और समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं, परिक्रमा से व्यक्ति को जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वर्तमान महत्व- माँ नर्मदा का वर्तमान में अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक, जल संसाधन और पर्यावरणीय महत्व है। माँ नर्मदा का जल विद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।यह मध्य प्रदेश और गुजरात राज्यों को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराती है।माँ नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर, बर्गी, ओंकारेश्वर और इंदिरा सागर जैसे प्रमुख बांध बने हैं, जिनसे कई शहरों और गांवों में बिजली मिलती है, माँ नर्मदा का पर्यावरणीय महत्व भी है,मां नर्मदा सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और कान्हा उद्यान में वन्यजीव अभयारण्यों के लिए एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का कार्य करती है। माँ नर्मदा आस्था का प्रतीक है, घोर कलयुग में माँ नर्मदा मनुष्य की आस्था का सब से बड़ा प्रतीक मानी जाति हैं। वे शिव पुत्री हैं और सुख देने वाली हैं। लाखों परिक्रमावासी मानसिक एवं शारीरिक चिंताओं को दूर करने के भाव को लेकर माँ नर्मदा की विशाल परिक्रमा अत्यंत उत्साह और मन से करते हैं। यह परिक्रमा उन्हें सुख और शांति प्रदान करती है, और उन्हें अहंकार से विनम्रता की ओर ले जाती है। माँ नर्मदा का नाम नर्मदा सुख देने वाली माँ के रूप में रखा गया था, जो उनके कल्याणकारी स्वरूप को दर्शाता है। उनका महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय भी है, जो उन्हें भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक बनाता है।

डॉक्टर ईरा वर्मा (पीएम श्री नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम)

भारत को जातिवादी मानसिकता से है भयंकर खतराः अतर सिंह भारतीय, मप्र

कलमकार
सामाजिक कार्यकर्ता
अतर सिंह भारतीय, मप्र

सरकार किसी भी पार्टी की हो लेकिन उसकी केंद्रीय सोच में अगर जातिवादी मानसिकता है तो निश्चित ही वह देश वासियों के निकट भविष्य के लिए भयंकर खतरा है। तत्कालीन राजनीतिक लोग देश की जनता को कुछ दशकों तक उनके ही समर्थकों को गुमराह तो कर सकते हैं लेकिन इसके दूरगामी परिणाम उन्हीं समर्थकों की पीढ़ियों के साथ – साथ देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है जोकि सामूहिक रूप से देश द्रोह की श्रेणी में आना चाहिए। जातिवादी मानसिकता के लोगों को यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत लोकतांत्रिक देशों में से एक है। जिसमें पार्टियों की सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन देश हित हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। जातीय मानसिकता पर बिंदुवार प्रकाश डालने की कोशिश जरूरी है। जैसे कि –

1. **देश में सामाजिक विभाजन**– जातिवादी मानसिकता से समाज में विभाजन बढ़ता है, जिससे लोगों के बीच दुश्मनी और नफरत बढ़ती है।
2. **समाज में असमानता**– जातिवादी मानसिकता से समाज में असमानता बढ़ती है, जिससे कुछ जातियों को विशेषाधिकार मिलते हैं और कुछ को वंचित किया जाता है।
3. **देश के विकास में बाधा**– जातिवादी मानसिकता से देश के विकास में बाधा आती है, क्योंकि इससे लोगों का ध्यान विकास की ओर नहीं जाता है बल्कि जानबूझकर जातीय हित या अहित नजर आता है।
4. **मानवाधिकारों का उल्लंघन**– जातिवादी मानसिकता से मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, जिससे लोगों को अपने अधिकारों से वंचित किया जाता है। दबंगई, जुर्म और अन्याय बढ़ता है।
5. **शिक्षा और स्वास्थ्य में कमी**– जातिवादी मानसिकता से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भयंकर कमी आती है, जिससे समाज में लोगों का जीवन स्तर खराब होता है।
6. **देश का आर्थिक नुकसान**– जातिवादी मानसिकता से देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि इससे व्यापार, उद्योग, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नुकसान होता है।
7. **राष्ट्रीय एकता को खतरा**– जातिवादी मानसिकता से देश की एकता और अखंडता को खतरा होता है, क्योंकि इससे लोगों के बीच विभाजन बढ़ता है। समाज में हिंसात्मक तनाव बना रहता है।
8. **सामाजिक तनाव**– जातिवादी मानसिकता से समाज में तनाव बढ़ता है, जिससे लोगों के बीच दुश्मनी और नफरत बढ़ती है। ऊंच – नीच की हीन भावनाओं से देश वासियों को नुकसान होता है।
9. **सुरक्षा एजेंसियों की चुनौतियाँ**– जातिवादी मानसिकता से पुलिस और प्रशासन को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें हिंसा को रोकने और शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है।
10. **देश की प्रतिष्ठा को नुकसान**– जातिवादी मानसिकता से देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है, जिससे विदेशी निवेश और व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश हित में देश वासियों को इन नुकसानों को देखते हुए जातिवादी मानसिकता को रोका जाना चाहिए। लेकिन यह बहुत जरूरी है कि सरकार, समाज, और नागरिकों को मिलकर जातिवादी मानसिकता को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

अपील

जय गुरुदेव
धन गुरुदेव

समस्त साध संगत से विनम्र अपील है कि दिनांक 09 दिसंबर 2025 को सतगुरु रविदास मंदिर, करोंद, भोपाल में रविदासिया कौम का महासम्मेलन आयोजित है। जिसमें आप सपरिवार साथियों सहित सादर आमंत्रित हैं।

अपीलकर्ता– अतर सिंह भारतीय, मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत

मो. 8109583277

ब्राह्मण समाज की बेटियों पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले IAS अधिकारी को मध्यप्रदेश सरकार ने किया तत्काल निलंबित

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

भोपाल/अनूपपुर। ब्राह्मण समाज की बेटियों के खिलाफ अभद्र व अशोभनीय टिप्पणी करने वाले आईएएस अधिकारी पर मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए आदेश जारी कर दिया है शासन द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि अधिकारी के बयान से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है तथा यह आचरण अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन है मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने बिना देरी निर्णय लेते हुए निलंबन आदेश लागू किया ब्राह्मण समाज द्वारा लगातार विरोध और शिकायतों के बाद सरकार द्वारा की गई इस कार्रवाई का समाजजनों ने स्वागत किया है।

जनजाति गौरव दिवस पखवाड़े व भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर

वीरांगना झलकारी बाई एवं अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार की जयंती मनाई गई

महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार को राष्ट्रीय शहीद का दिया जाये : जे.एन . कांसौटिया पूर्व आईएएस

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। बहुजन समाज में जन्में महापुरुषों और महान क्रांतिकारी, देश की आजादी में अपनी कुर्बानी देने वाले ऐसे महानायक हुए है। जिनको जातिवाद , घृणा और हीन भावना रखने वाले लोगों ने इतिहास के पन्नों में दबा कर रख कर अपनी ही महत्वाकांक्षा को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने ही महापुरुषों को उजागर किया है । जिसके कारण जिन महापुरुषों ने वास्तव में देश व समाज के लिए काम किया उनको ही लोग नहीं जान पाये। ऐसे ही वीरांगना झलकारी बाई कोरी थी जिन्होंने अंग्रेजों से मुकाबला कर अपनी जान देश के लिए बलिदान कर दी तथा पूरी बहुजन समाज को गौरवान्वित किया है। वही मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति की अहिरवार समाज में जन्में अमर शहीद वीर सपूत मनीराम जी थे। जिन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में सन 1942 में भाग लेते हुए गोंडवाना राज्य के लिए बचाने के लिए अंग्रेजी सेना से 23 अगस्त 1942 को युद्ध लडा़ और जीत कर अंग्रेजों को लहू लुहान कर गांव से खदेड़ कर इस देश की आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर कर रविदास वंशज समाज का गौरव बढ़ाया है। जयंती के मुख्य अतिथि जे. एन. कांसौटिया थे, विशेष अतिथि आर. एन. ठाकुर , राधेश्याम मीणा एवं पटेल हीरालाल सौधिया थे। जबकि अध्यक्षता महंत परमसुख शाक्य ने की। कार्यक्रम के शुभारम्भ में अतिथि गणों ने वीर मनीराम और वीरांगना झलकारी बाई, बाबा साहेब अम्बेडकर व भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर पुष्प माला पहनाकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। कबीर मिशन समाचार पत्र के सैकड़ों पत्रकार एवं विभिन्न समाचार पत्र के पत्रकार गण, यूट्यूब चैनल के सैकड़ों पत्रकार कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों को नमन किया। मंच का संचालन माधव सिंह अहिरवार ने

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. जे.एन. कांसौटिया पूर्व आईएएस

किया। मुख्य अतिथि कांसौटिया पूर्व आईएएस ने कहा कि हमारे महापुरुषों के द्वारा जो बलिदान दिया है वह देश और समाज के लिए दिया है। जिन्हें सरकार द्वारा सम्मान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पखवाड़ा के में मनाई गई। कबीर मिशन के संस्थापक इन्दर सिंह वर्मा ने बताया है कि कबीर मिशन के सैकड़ों पत्रकार इस कार्यक्रम में आकर हमारे देश के महान क्रांतिकारी व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन कर उन्हें सम्मान दिलाने की आवाज उठा रहे है यह हमारे लिए गौरव की बात है। तथा मध्यप्रदेश के अनेकों पत्रकार, संपादक, चैनल रिपोर्टर, लेखक, साहित्यकार, विद्वान एवं अधिकारी, कर्मचारियों और समाज संगठनों के सम्मानित पदाधिकारी वीरांगना झलकारी बाई एवं अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार को श्रद्धांजलि अर्पित कर मध्यप्रदेश सरकार से मांग करते हैं कि शहीद वीर मनीराम अहिरवार को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिया जाये।

नमो बुद्धाय। जय भीम।

13वीं अंतिम बी.सी. कार्यक्रम – समापन एवं कृतज्ञता महोत्सव

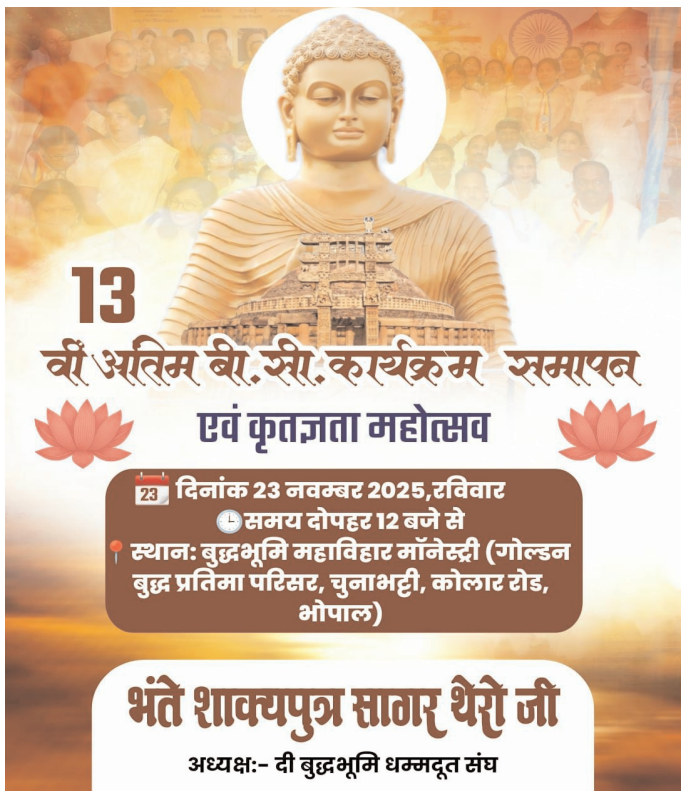

पिछले 12 महीनों से निरंतर चल रही बुद्धभूमि महाविहार बी.सी. परिवार की महान धम्मसेवा, सहयोग और समर्पण को सम्मानित करते हुए, हम सभी धम्मबंधुओं, धम्म दायकों और समितियों के प्रति गहन कृतज्ञता, सम्मान और अभिनंदन व्यक्त करते हैं। इसी कृतज्ञता के भाव से एक विशेष समापन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

इस पुण्यमय अवसर पर –

बी.सी. परिवार एवं सभी धम्मदान दायकों का धन्यवाद, अनुमोदन एवं सम्मान किया जाएगा। वार्षिक बुद्धभूमि बी.सी. समिति का औपचारिक समापन तथा नई बी.सी. संरचना व आगामी धम्मकार्य पर समीक्षा एवं चर्चा की जाएगी। 10वां अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मेला ङ्क 2026 (दिनांक — 25 जनवरी 2026) की प्रारंभिक तैयारी बैठक भी सम्पन्न होगी। आगामी सांची बौद्ध महोत्सव में सामूहिक सहभागिता हेतु योजना का निर्धारण।

दिनांक- रविवार, 23 नवम्बर 2025

समय- दोपहर 12 बजे से

स्थान- बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री (गोल्डन बुद्ध प्रतिमा परिसर, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल)

यह केवल एक समापन नहीं, बल्कि धम्मकार्य की नई दिशा — नई ऊर्जा — नए संकल्प का शुभारंभ है। यह वह क्षण है जब हम संगठन, मैत्रीभाव और सद्धम्म को पुनः पुष्टि करते हैं। सभी सम्मानित उपासक-उपासिकाओं, उपासिका संघ, उपासक संघ,तथा मैत्रीभावी धम्मसेवियों से विनम्र निवेदन है कि आप अपनी उपस्थिति से इस पुण्यमय एवं प्रेरणादायक अवसर को दिव्यता प्रदान करें।

आपके सद्धम्म में–

भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो
प्रधान भिक्षु - बुद्धभूमि महाविहार, भोपाल (म.प्र.)

कानून की दलील है,स्वतंत्रता का ये मील है,
कर्तव्य है,अधिकार है, विचारों का अंबार है।
स्वराज भी इसी से है,इसी से वतन महान है,
ये हमारा संविधान है , भारत का संविधान हैं ।

आज विश्व के सबसे बड़े ग्रंथ के अंगीकार दिन संविधान दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं। आज संविधान दिवस के अवसर पर देश को एक प्रगतिशील और मजबूत लोकतांत्रिक संविधान देने वाले बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को कोटी कोटी नमन ।

जय भीम जय संविधान

उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विधानसभा के मानसरोवर सभागार में मनाया गया संविधान दिवस

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

उप मुख्यमंत्री मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि कैलेण्डर में 26 नवम्बर की तारीख बेहद खास है। इसी दिन भारत का संविधान अपनाया गया था। हमारा संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है। यह एक ग्रंथ है, जो देश की आत्मा उसके सपनों और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शायद ही किसी देश के संविधान की मूल प्रति इतनी कलात्मक होगी। संविधान की मूल प्रति हाथ से लिखी गयी थी। यह मूल प्रति आज भी संसद भवन की लाइब्रेरी में सुरक्षित रखी गयी है। उप मुख्यमंत्री बुधवार को भोपाल में विधानसभा के मानसरोवर सभागार में समारोह को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान का निर्माण कोई जल्दबाजी का काम नहीं था। संविधान सभा को इसे पूरा करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का समय लगा। इस दौरान समिति की 114 दिनों की बैठकें हुईं। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में विविधता का प्रतिबिम्ब था। कुल 179 सदस्यों मं 15 महिलाएं भी शामिल थीं। स्व. सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, दुर्गा बाई देशमुख और हंसा मेहता जैसी महिला सदस्यों ने सक्रिय रूप से सभा की बहसों में भाग लिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान एक स्थिर दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह समय के साथ विकसित होता रहता है। अब तक इसमें कई संशोधन हो चुके हैं, जो इसे बदलती हुई सामाजिक और आर्थिक जरूरतों के अनुरूप ढालते हैं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आज के दिन संविधान के 78 वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने संविधान में मौलिक अधिकार और कर्त्तव्यों की व्याख्या की। मंत्री पटेल ने कहा कि केन्द्र और राज्य के संबंध और सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय पाने के अवसर संविधान में मौजूद हैं।मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि आज का दिन महत्वपूर्ण है। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर एवं सदस्यों को नमन किया। संविधान की ताकत का जिक्र करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि वर्ष 1940 से 1950 के बीच अनेक देश आजाद हुए, लेकिन भारत की ताकत संविधान है, इसकी वजह से हमारा देश लोकतांत्रिक देश बना हुआ है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं में 29 सदस्य मध्यप्रदेश के रहे, यह गौरव की बात है। समारोह में प्रारंभ में अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत किया और संविधान की पृश्ठभूमि से सभी को अवगत कराया।

धोखाधड़ी एवं गबन के मामले में नम्र फायनेंस कंपनी का फील्ड आफिसर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा नम्र फायनेंस कंपनी, शाखा अनूपपुर के फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी निवासी ग्राम टेंघा, चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल को धोखाधड़ी एवं गबन में गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर नगर के उज्जवला कालोनी में संचालित नम्र फायनेंस लिमिटेड कंपनी द्वारा जिले में ग्रामीण एवं निम्नवर्गीय महिलाओं को लोन उपलब्ध

कराये जाने का कार्य करती है। जो उक्त कंपनी में कार्यरत फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी के द्वारा कंपनी के ग्राहको से लोन की किश्त बसूली का कार्य किया जाता था, जो फील्ड आफिसर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी द्वारा 35 हितग्राहियों की लोन राशि कुल 302867 रूपये प्राप्त की जाकर कंपनी में जमा नहीं की गई और उक्त धनराशि का गबन कर कंपनी से काम छोड़ दिया गया। नम्र फायनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा अनूपपुर के शाखा प्रबंधक सचिन कुमार चौहान के द्वारा रिपोर्ट किये जाने पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 436/25 धारा 316(2), 316(5), 318(4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक संतोष कुमार वर्मा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, आरक्षक अब्दुल कलीम एवं महिला आरक्षक अंकिता सोनी की टीम के द्वारा बुधवार को नम्र फायनेंस कंपनी के साथ धोखाधड़ी एवं गबन करने वाले आरोपी राजेन्द्र प्रसाद बौधरी पिता संतोष चौधरी उम्र 27 साल निवासी ग्राम टेंपा पीपलडोल पुलिस चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल को गिरफ्तार किया जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किये जा रहे है।

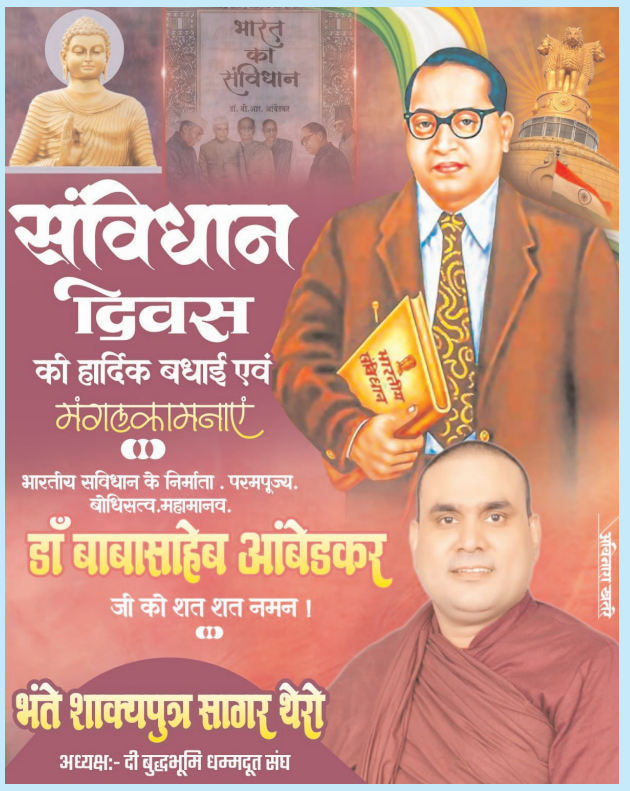

कर्तव्य का दीप जलाएँ,
त्याग से समाज सजाएँ —
यही है संविधान का सच्चा सम्मान।
जय संविधान! जय भारत!

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल का शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह पोर्टल विद्यार्थी हित की सार्थक पहल है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में तकनीकी नवाचार से विद्यार्थियों को वेरिफिकेशन की जटिल प्रक्रिया से राहत मिलेगी। रोजगार और प्लेसमेंट आदि आवश्यक प्रक्रियाएं सुरक्षित, सरल और शीघ्रता से संपन्न हो सकेंगी। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष नवाचार सराहनीय हैं। उन्होंने पोर्टल के माध्यम से डिग्री वेरिफिकेशन प्रक्रिया को समझा और स्वयं रैंडम परीक्षण भी किया। पोर्टल को सफलतापूर्वक लोकार्पित करने के लिए उन्होंने समस्त विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। राज्यपाल ने गुरुवार को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के डिजिटल डिग्री वेरिफिकेशन पोर्टल का वन-क्लिक से शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया था।

संवैधानिक चुनौतियाँ, प्रौद्योगिकी के दौर में अधिकारों की सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार
नर्मदापुरम।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में संविधान दिवस के अवसर पर डिजिटल युग में संवैधानिक चुनौतियाँ प्रौद्योगिकी के दौर में अधिकारों की सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन रोशनी नरवरिया एवं जुगल किशोर ने प्रभावशाली ढंग से किया। दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्य, डॉ. हरिप्रकाश मिश्रा तथा अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन में संविधान दिवस की प्रासंगिकता और तकनीकी युग की बढ़ती चुनौतियों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया। मुख्य वक्ताओं ने निजता, डेटा संरक्षण, डिजिटल निगरानी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के नियमन जैसे विषयों पर अत्यंत उपयोगी मार्गदर्शन दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछते हुए चर्चा को और अधिक सार्थक बनाया। सेमिनार के दौरान संविधान और डिजिटल युग विषय पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसमें तकनीक और संविधान के बदलते संबंधों को दर्शाया गया। समापन उद्बोधन में श्री शिवाकांत मौर्य ने डिजिटल युग में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर बल दिया, जबकि डॉ. ओम शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से वाचन किया गया।

रुतबा मेरे सर को आपके संविधान से मिला है, यह सम्मान भी मुझे तेरे संविधान से मिला है। औरों को जो मिला है वो मुक़द्दर से मिला होगा, हमें तो मुक़द्दर भी आपके संविधान से मिला है। आप सभी को संविधान दिवस की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ। आज हम उस पवित्र ग्रंथ को नमन करते हैं जिसने इस देश को समानता, सम्मान, अधिकार और साहस का बल दिया। परम पूज्य बाबा साहेब की दूरदृष्टि से रचा गया हमारा संविधान हम सबके संघर्षों का मार्गदर्शक और उम्मीदों का आधार है। आज का दिन केवल उत्सव नहीं— यह शपथ का दिवस है। परम पूज्य बाबा साहेब द्वारा प्रदत्त न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के अद्वितीय मूल्यों को मजबूत रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।
आओ, शपथ लें — हम अपने संविधान, अपने अधिकारों और अपने न्याय की रक्षा में सदैव दृढ़ रहेंगे।

जय भीम, जय भारत, संविधान ज़िंदाबाद।
चलो मुज़फ्फरनगर 50 लाख संविधान शपथ
26 नवंबर चलो मुज़फ्फरनगर

एम्स भोपाल में 'फॉरेंसिक अपडेट-VIII' आयोजित, मृत्यु उपरांत समय निर्धारण में आधुनिक तकनीकों पर जोर

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

एम्स भोपाल ने आठवां 'फॉरेंसिक अपडेट' आयोजित किया, जिसका मुख्य फोकस मृत्यु के बाद बीते समय (टाइम-सिंस-डेथ) की सटीक गणना की आधुनिक वैज्ञानिक विधियों पर रहा।दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में देशभर से 70 से अधिक विशेषज्ञों, फैकल्टी सदस्यों, रेज़िडेंट डॉक्टरों, पीएचडी स्कॉलर्स और फॉरेंसिक प्रोफेशनल्स ने भाग लिया।यह कार्यक्रम एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. माधवानंद कर के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन एम्स भोपाल के डीन (एकेडमिक्स) डॉ. रजनीश जोशी द्वारा किया गया। कार्यशाला में एम्स भोपाल के विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सत्र लिए।प्रतिभागियों को बायोकेमिकल मार्कर्स, रेडियोलॉजी, फॉरेंसिक एंटोमोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जीनोमिक्स और प्रोटीओमिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यह आयोजन देश में फॉरेंसिक साइंस शिक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संविधान दिवस (26 नवंबर) के अवसर पर मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में भीम आर्मी/आज़ाद समाज पार्टी (काशीराम) के अगुवाई में कार्यक्रम !

शहडोल - शहडोल में भीम आर्मी/आज़ाद समाज पार्टी का कार्यक्रम, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और संगठन के सूत्रों के अनुसार, शहडोल में संविधान दिवस, को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाने मनाया गया है। शहडोल शहर के प्रमुख स्थान (डॉ. अंबेडकर पार्क/ प्रतिमा स्थल) पर भीम आर्मी के कार्यकर्ता और आज़ाद समाज पार्टी के पदाधिकारी एकत्रित हुए ! रैली - संविधान के संदेश को आम जनता तक पहुँचाने के लिए शहर के मुख्य मार्ग पर जागरूकता जुलूस, वाहन रैली निकाली गई ! जिसमें %जय भीम% भीम आर्मी जिंदाबाद, और %संविधान बचाओ% संविधान दिवस अमर रहे , के नारे लगाए गये। यह कार्यक्रम, संविधान की सर्वोच्चता और डॉ. अंबेडकर के प्रति सम्मान व्यक्त करने पर केंद्रित रखा गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं में संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुआ! जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अध्यापक, समाजसेवी तथा स्थानीय नागरिक शामिल हुए। वक्ताओं ने संविधान निर्माताओं के योगदान, डॉ. भीमराव अम्बेडकर की भूमिका और भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की मजबूती पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में आयोजित विचार-गोष्ठी, संगोष्ठी, प्रतिभागियों ने संविधान के विभिन्न पक्षों—न्याय,स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और मौलिक अधिकारों—पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सामाजिक संगठनों ने भी इस अवसर पर जागरूकता रैली निकाली, जिसमें नागरिकों को कानून का सम्मान करने, भेदभाव का विरोध करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में, एड.श्यामलाल जैसवाल, भीम आर्मी जिला संयोजक राजेश कुशवाहा, आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष शहडोल कैलाश अहिरवार, शिव बैगा, गोलू बौद्ध, श्री मति लक्ष्मी साहू, रामसजीवन कोल, प्रकाश वर्मा, रामस्वरूप कोल , सूरज बैगा, डॉक्टर राजेश अहिरवार, एडवोकेट चांदनी अहिरवार,भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन जिला अध्यक्ष शहडोल चंद्रशेखर साकेत एवं सभी मैकी ग्रामवासी के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा है !

स्टेट साइबर पुलिस हेड क्वार्टर की एडवाइज़री SIR आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरें सुरक्षित रहें,सतर्क रहें

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

ऑनलाइन SIR प्रक्रिया के दौरान साइबर धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि देखी गई है। नागरिकों से अनुरोध है कि स्क्रीनशॉट भरते समय निम्न सुरक्षा उपायों का पालन करें।केवल आधिकारिक सरकारी वेबसाइट पर ही SIR भरें डोमेन को ही उपयोग करें। किसी भी अनजान लिंक या मैसेज से बचें। OTP या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। SIR की प्रक्रिया में निर्वाचन विभाग या किसी अधिकारी द्वारा फोन,मैसेज पर OTP, आधार नंबर, मोबाइल नंबर आदि मांगना प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। यदि कोई SIR की प्रक्रिया में ये जानकारी माँगता है तो वह साइबर फ्रॉड का कॉल हो सकता है, अत: यह जानकारी साझा न करें। SIR प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क है।किसी भी प्रकार की फीस, प्रोसेसिंग चार्ज या भुगतान करने के लिए कहे जाने पर ध्यान दें ऐसे संदेश या कॉल धोखाधड़ी हो सकते हैं, क्योंकि SIR प्रक्रिया पूर्णत: निशुल्क है। व्हाट्सअप, स्क्रीनशॉट या सोशल मीडिया पर मिले लिंक न खोलें। आपका वोटर कार्ड रद्द हो जाएगा, तुरंत स्क्रीनशॉट भरें जैसे संदेश फर्जी हो सकते हैं।साइबर कैफे का उपयोग करते समय सतर्क रहें। ऑटो-सेव बंद रखें, कार्य समाप्त होने पर ब्राउज़र इतिहास,कैश साफ़ करें और अनिवार्य रूप से लॉगआउट करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या गतिविधि की सूचना तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें या हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें । ऑनलाइन SIR भरते समय केवल आधिकारिक सरकारी वेबसाइट का उपयोग करें और किसी भी लिंक, कॉल या संदेश पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी या OTP साझा न करें। सतर्क रहें, क्योंकि SIR प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क है ।

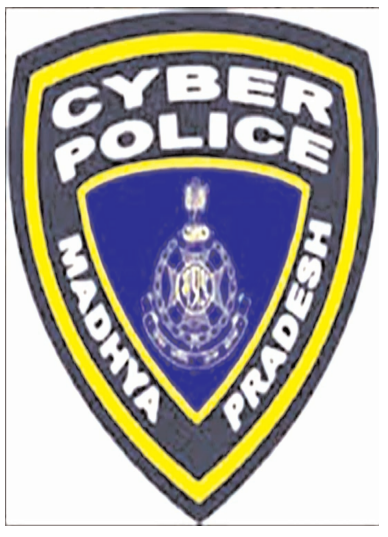

विधि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में संविधान दिवस का भव्य आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। विधि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में संविधान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों में संवैधानिक ज्ञान और कानूनी चेतना फैलाने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार पाठक, सचिव (ष्ठस्र) नर्मदापुरम रहे। उन्होंने संविधान के महत्व और उसकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। छात्रों को संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ संविधान से जुड़े गहरे और रोचक तथ्यसाझा किए, जिसने छात्रों को गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री अभय सिंह (ष्ठस्रह्व) नर्मदापुरम ने कानूनी सहायता और जीवन में कानूनी सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उनके मार्गदर्शन ने छात्रों को कानूनी जागरूकता के साथ-साथ जीवन में सतर्क रहने के प्रभावी उपायों जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. राम कुमार चौकसे ने संविधान के महत्व पर बल देते हुए आश्वासन दिया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जाएंगी ताकि छात्र वास्तविक अनुभव के माध्यम से कानून की गहराई और व्यावहारिक ज्ञान हासिल कर सकें। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. कमल वाधवा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक और विभागाध्यक्ष, डॉ. अपूर्वा वर्मा ने भी संविधान के महत्व और छात्रों में संवैधानिक चेतना फैलाने पर अपने विचार साझा किए।मंच संचालन डॉ. दिनेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम को सहज, आकर्षक और छात्रों के लिए प्रेरणादायक बनाया।विधि विभाग के प्राध्यापक श्री अरुण शर्मा एवं प्राध्यापिकाएं चंद्रप्रभा सोनी, हनीफा शेख, एवं अनुपमा कुजूर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता प्रमुख थीं। इन प्रतियोगिताओं में विजेता रहेन्निबंध लेखन प्रतियोगिता ङ्क दिव्या यधुवंशी,पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता ङ्क आलिया मारुख,रंगोली प्रतियोगिता ङ्क रक्षा बकोरिया इस भव्य आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम का विधि विभाग, न केवल शिक्षण में उत्कृष्टता की मिसाल है, बल्कि छात्रों को कानून और संवैधानिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय महिला गोंड चित्रकार श्रीमती कलावती शयाम की 5 वीं पुण्यतिथि पर एस .एस. कुमरे मुख्य अतिथि के रूप में आकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये

मूलचन्द मेधोनिया मूकनायक ब्यूरो

भोपाल। देश दुनिया में गोंड चित्रकारी की जीवंत चित्रण प्रस्तुत करने वाली महान चित्रकार श्रीमती कलावती शयाम की पांच वी पुण्यतिथि के अवसर पर एस. एस. कुमरे आईएएस पूर्व कलेक्टर मुख्य अतिथि थे। विशेष अतिथि के रूप में जे.एस. कुसरे रिटायर प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश एवं राकेश परते अध्यक्ष प्रधान समाज मध्यप्रदेश ने की इस अवसर पर एस. एस. कुमरे ने कलावती शयाम के छायाचित्र पर फूल अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि के विशेष अतिथियों ने गोंड चित्रकार श्रीमती कलावती शयाम के जीवन पर प्रकाश डाला और मांग की है कि दुनिया में मध्यप्रदेश की गोंड चित्रकारिता के लिए अपना जीवन होम करने वाली कलाकार के नाम से सड़क, रोड व भवन आदि का नामकरण होना चाहिए। श्रीमती कलावती शयाम की पुण्यतिथि पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के पौता मूलचन्द

मेधोनिया ने भी श्रीमती कलावती शयाम को नमन करते हुए सरकार से मांग की है कि गोंड चित्रकारिता को महानता व गौरव दिलाने वाली कलावती शयाम के लिए सरकार पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। तथा सरकार उनके नाम पर गोंडी चित्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए और संस्कृति जीवित रहें। इस दिशा में सरकार विशाल गोंड चित्रकार प्रदर्शनिय केंद्र बना कर श्रीमती कलावती शयाम के परिवार को सामाजिक धरोहर को सुरक्षित हेतु सौपी जाये। श्रीमती कलावती शयाम की पुण्यतिथि पर गोंड आदिवासी चित्रकला सामूहिक प्रदर्शनी 25 नवम्बर 2025 में भाग लेने वाले चित्रकार आनंद शयाम, संभव सिंह शयाम, ओमप्रकाश धुर्व, सरमन शयाम, भारती शयाम धुर्व, संतोष शयाम, तुलसिया धुर्व, इत्यादि चित्रकार आदिवासी कलाकार शामिल हुई। इस अवसर पर अनेक पत्रकार, विभिन्न संगठनों के सरोकारी, एवं अधिकारियों ने आकर श्रीमती कलावती शयाम के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

नरसिंहपुर में संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर फूल माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया

नरसिंहपुर। आज संविधान दिवस के दिन बरमान कलां जिला नरसिंहपुर में स्थापित संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर फूल माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया गया, जिसमें संविधान की प्रस्तावना एवं संविधान के विषय पर प्रकाश डाला गया,जिसमें उपस्थित अखिल भारतीय रविदासया धर्म भारत के जिला अध्यक्ष श्री राजेश चौधरी जी, उपाध्यक्ष डॉ कमलेश कुमार अहिरवार,हरिराम चौधरी जी,मंदिर पुजारी जी भूपेंद्र चौधरी जी,प्रमोद चौधरी जी,संतोष जी,दुर्गेश चौधरी जी सहित अन्य सभी अम्बेडकरप्रेमी जन उपस्थित रहे।

उदयपुरा में मनाया गया 76वां संविधान दिवस

अंबेडकर भवन में हुआ सादगीपूर्ण कार्यक्रम दिलाई संविधान की शपथ।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। 26 नवंबर 2025 को नगर उदयपुरा के अंबेडकर भवन में 76वां संविधान दिवस शांतिपूर्ण और सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया। जिसमें सबसे पहले आए हुए मुख्य अतिथियों ने भारतीय संविधान ओर अम्बेडकर साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की मंच संचालन हल्केवीर सूर्यवंशी, युवा समाजसेवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार दिनेश बरगले और उदयपुरा थाना प्रभारी जयवंत सिंह ककोड़िया रहे। दोनों अधिकारियों ने संविधान के महत्व पर सरल शब्दों में अपने विचार व्यक्त किए। तहसीलदार बरगले ने कहा कि एअगर हम अपने अधिकारों को समझेंगे, तभी आगे बढ़ पाएंगे। थाना प्रभारी ककोड़िया ने कहा कि संविधान ने हमें जो अधिकार दिए हैं, उनसे जनता की सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य है। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे और अनेक युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बच्चों को पेन और संविधान की प्रस्तावना भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। अंत में तहसीलदार दिनेश बरगले ने सभी को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद रहे वरिष्ठसेवी डॉ पार्वती व्याघ्रे, हेमंत नरवरिया जी बालकिशन नरवरिया जी जितेंद्र मेहरा जी आदिवासी छात्रावास के अधीक्षक श्री जितेंद्र धाकड़ जी, कमलेश ठेकेदार जी घनश्याम ठेकेदार जी,

मन्नूलाल चौधरी जी,पत्रकार संगठन से श्री राजेश रजक जी, मनोज शर्मा जी अरविंद धाकड़ जी आशीष रजक जी नीलेश पटेल जी, युवाओं में अरविंद हटोइया भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष उदयपुरा, हेमराज अहिरवार, डॉ डीपी टेटबार, प्रीतम अहिरवार, तुलाराम अहिरवार, गोविन्द अहिरवार, नीलेश परिहार, संदीप परिहार, ओर सैकड़ो की संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

लिव-इन में रहने वालों की सुरक्षा राज्य का दायित्व : कोर्ट

कहा-सभी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार, राज्य राय न थोपें

ब्यूरो। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए कहा है कि लिव-इन में रहने वाले दो वयस्कों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार का दायित्व है, भले ही उनमें से एक शादीशुदा ही क्यों न हो। संविधान का अनुच्छेद-21 हर व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और यह अधिकार किसी भी रिश्ते की नैतिक या सामाजिक स्वीकार्यता पर निर्भर नहीं करता। ऐसे मामलों में राज्य को अपनी नैतिक राय थोपने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह फैसला उस याचिका पर दिया जिसमें एक महिला व पुरुष ने अपने परिवार व परिचितों से खतरा महसूस होने का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की थी। महिला पहले से शादीशुदा थी और उसका एक बच्चा भी है जबकि पुरुष अविवाहित है। दोनों ने कोर्ट को बताया था कि वे मर्जी से साथ रह रहे हैं लेकिन परिजनों से उनको खतरा है, इसलिए पुलिस उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई करे और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। सुनवाई के दौरान उन्होंने कोर्ट के पुराने फैसलों का भी हवाला दिया जिनमें लिव-इन जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा अदालतों और प्रशासन दोनों का मूल दायित्व है। राज्य को अपनी नैतिक राय थोपने का अधिकार नहीं है और न ही सामाजिक असहमति किसी व्यक्ति के बुनियादी अधिकारों को कमजोर कर सकती है। दो वयस्कों के बीच संबंध यदि सहमति से है तो उसे केवल इसलिए असुरक्षित नहीं माना जा सकता कि उनमें से एक शादीशुदा है। -पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट कपल्स की सुरक्षा पर जोर दिया गया था चाहे वे कानूनी विवाह में बंधे हों या नहीं। इसके बाद कोर्ट ने संबंधित जिला पुलिस को निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ताओं द्वारा दी गई शिकायत का मूल्यांकन करें और यदि खतरे की आशंका सही पाई जाए तो तुरंत आवश्यक सुरक्षा प्रदान करें। साथ ही स्पष्ट किया कि सुरक्षा देने का यह आदेश किसी भी पक्ष को आपराधिक या सिविल कार्यवाही से छूट नहीं देता। यदि कानून के उल्लंघन का कोई मुद्दा सामने आता है तो संबंधित पक्ष सामान्य कानूनी उपाय अपना सकते हैं।

76वा संविधान स्थापना दिवस मनाया गया

शाहगंज। शासकीय हाई स्कूल खटपुरा में 26 नवम्बर को 76 वा संविधान दिवस मनाया गया शाला प्राचार्य श्री कसान सिंह चौहान द्वारा स्कूल के छात्रों को संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी एवं शाला प्रभारी श्री घनश्याम प्रजापति द्वारा संविधान के मौलिक अधिकार के बारे में जानकारी दी एवं वरिष्ठ शिक्षक श्री दीनदयाल गौर सर जी द्वारा संविधान के नियमों के बारे में बताया अंत में संविधान पर प्रश्न आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस आयोजन में शाला प्राचार्य श्री कसान सिंह चौहान, शाला प्रभारी श्री घनश्याम प्रजापति, वरिष्ठ शिक्षक श्री दीनदयाल गौर, श्री महेश पालीवाल जी, श्री योगेश हनवंत जी, श्री रामभरोस वर्मा, एवं श्रीमती कीर्ति अहिरवार, श्रीमती ज्योति अहिरवार, कु. रामा गौर, श्री दीपक चौहान, श्री अरविन्द कुमार अहिरवार, बालकराम अहिरवार, ग्राम पंचायत सहायक सचिव श्री धनराज एवं स्कूल के छात्र - छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ भीमराव अम्बेडकर कोचिंग सेंटर में संविधान दिवस मनाया गया

छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली

भारतीय संविधान देश की आत्मा और सर्वोच्च विधान है। यह केवल नियमों और कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में दिशा दिखाता है इसी लिए हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी उपलक्ष्य में विगत कई वर्षों से संचालित डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर कोचिंग के छात्र छात्राओं के द्वारा भारतीय संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर बाबा साहब के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम आरंभ किया गया छात्र छात्राओं ने अपने अपने विचार भी रखे और अनुशासित शिक्षा ग्रहण करने और संविधान के नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में छात्रों ने देश के संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। उन्होंने भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक बनने और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करने की शपथ ली। कोचिंग संचालक राकेश कुमार के द्वारा बताया गया कि भारत में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1949 में भारत के संविधान को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। भारतीय संविधान को लिखने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगे थे जिसमें बाबा साहब जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है यह भारतीय संविधान देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता तथा प्रतिष्ठा का संदेश देता है। सभी नागरिकों को संविधान का सम्मान करना चाहिए और इसके मूल अधिकारों का पालन करना चाहिए छात्र छात्राओं के द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन किया और कोचिंग संचालक के द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका की छायाप्रति प्रदान की गई कार्यक्रम में समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन का स्त्री राग 2025 संपन्न

स्त्री परिवार समाज और संस्कृति की आधारशिला: डॉ विकास दवे

दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा स्त्री राग - 2025 (स्त्री मन और सृजन को समर्पित) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नारी केंद्रित छः एकल नाटकों का मंचन एवं डॉ मीनू पांडेय नयन की पुस्तक वक्त ठहर जाता या तुम का विमोचन संपन्न हुआ। लघु कहानी के विजेता प्रतिभागियों को आरिणी अन्वीक्षित कथा सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता - डॉ विकास दवे, निदेशक, साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश, भोपाल ने की और मुख्य अतिथि थीं श्रीमती करुणा राजुरकर,निदेशक , दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय, भोपाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं सिंधु धौलपुरे, संस्थापक एवं निदेशक, पीपुल्स थिएटर ग्रुप, भोपाल। कार्यक्रम का सरस संचालन सत्य देव सोनी सत्य ने किया। सरस्वती वंदना सुसंस्कृति सिंह ने प्रस्तुत की एवं आभार मृदुल त्यागी ने व्यक्त किया। पुस्तक की समीक्षा - प्रेक्षा सक्सेना द्वारा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम आयोजक डॉ मीनू पांडेय नयन, अध्यक्ष, आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन ने बताया कि जुलाई में पौराणिक कथाओं पर आधारित सशक्त एवं विदुषी महिला व्यक्तित्व पर आधारित लघु कहानियाँ आमंत्रित कीं गयीं थीं। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित तीन लघु कहानी के रचनाकारों को आरिणी अन्वीक्षित कथा सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। ये रचनाकार हैं हरिद्वार, उत्तराखंड से पधारीं डॉ मेनका त्रिपाठी, जिनकी कहानी %अनसूया का वरदान% ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भोपाल की श्रीमती निरुपमा खरे की लघु कहानी %शबरी-एक अनथक प्रतीक्षा% ने द्वितीय स्थान एवं देवास के सचिन सिंह परिहार की लघु-कहानी %अम्बा की ज्वाला% ने तृतीय स्थान प्राप्त किया था। एकल नाट्य प्रस्तुतियाँ इस प्रकार रहीं- डॉ रंजना शर्मा द्वारा %डिप्रेशन%, श्रीमती सुधा दुबे द्वारा %गढ़ मंडला की रानी%, डॉ साधना शुक्ला द्वारा %आदि अनादि अनंत%, सुषमा पटेल द्वारा %साबित्री बाई फुले%, नमिता सेन गुप्ता द्वारा %प्रीति लता वद्दार% एवं मंजू गुप्ता द्वारा अभिनीत %रानी लक्ष्मी बाई% नाटकों का मंचन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ विकास दवे ने कहा कि स्त्री न केवल परिवार, समाज और संस्कृति की आधारशिला है, बल्कि परिवर्तन की सबसे सशक्त शक्ति भी है। राग सहयोग और समन्वय का प्रतीक होता है और स्त्री का राग जीवन को संगीतमय एवं इंदधनुषी बनाता है। मुख्य अतिथि श्रीमती करुणा राजुरकर ने कहा कि स्त्री केवल परिवार में माँ और गृहणी की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण सरकारी दायित्वों में भी वह समान रूप से सशक्त और प्रभावी भूमिका निभाती है। उन्होंने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए बताया कि हर क्षेत्र में निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी ही सर्वोच्च मूल्य हैं, और इन्हीं गुणों के साथ आगे बढ़कर स्त्रियों को नेतृत्व की अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। विशिष्ट अतिथि सिंधु धौलपुरे ने कहा कि स्त्री की आर्थिक रूप से सशक्तता बहुत आवश्यक ह।हर स्त्री को ऐसा कार्य करना चाहिए कि जिस सहायता कार्य से उनको हमेशा याद रखा जाये।

राष्ट्रीय सेवा योजना वाले का इकाई द्वारा संविधान दिवस के शुभ अवसर पर प्रश्न मंच भाषण रंगोली जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना वाले का इकाई द्वारा संविधान दिवस के शुभ अवसर पर प्रश्न मंच भाषण रंगोली जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के निर्माण भारतीय संविधान के महत्व भारत के संविधान की विशेषताओं के बारे में बतलाया गया कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर इरा वर्मा के नेतृत्व में तथा प्राचार्य डॉक्टर आरके चौकसे दर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डॉक्टर अमिता जोशी ने भारतीय संविधान के निर्माण वर्तमान में भारतीय संविधान के महत्व की विवेचना की प्रत्येक व्यक्ति को भारत के संविधान का अध्ययन करके अपने जीवन को संपूर्ण बनाना वर्तमान की आवश्यकता है डॉक्टर इरा वर्मा ने कहा की विश्व का श्रेष्ठतम समृद्ध सदैव प्रेरणादाई मार्गदर्शन संविधान है प्रत्येक युवा विद्यार्थी को इसका अत्यंत गंभीरता पूर्वक अध्ययन करना चाहिए कार्यक्रम में डॉ मंजू मालवी डॉ मनीष परिहार मेगा रावत रेनू वर्मा शबनम कुरेशी इत्यादि स्टाफ उपस्थित थे।

सिलवानी शासकीय महाविद्यालय में संविधान दिवस पर बड़ी लापरवाही उजागर

कार्यक्रम की फोटो- वीडियो में नहीं दिखी अंबेडकर जी की तस्वीर, न ही संविधान की प्रति

हल्केवीर सूर्यवंशी, संवाददाता

सिलवानी/ रायसेन। शासकीय महाविद्यालय सिलवानी में आयोजित संविधान दिवस समारोह अब विवादों में घिर गया है। कार्यक्रम की उपलब्ध फोटो और वीडियो फुटेज का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि मंच पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर और भारतीय संविधान की प्रति—दोनों ही पूरी तरह अनुपस्थित थीं। समारोह में प्राचार्य मनोहर लाल कोरी (पंथी), वरिष्ठ अध्यापक लक्ष्मीकांत नेमा, अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। लेकिन कार्यक्रम स्थल पर केवल स्वामी विवेकानंद जी और मां सरस्वती जी की तस्वीरें ही रखी गईं। कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियोज़ सामने आने के बाद इस पूरी खराब को अमल में लाया गया। संविधान दिवस का सबसे बड़ा प्रतीक अंबेडकर जी की तस्वीर का न होना और संविधान की प्रति का मंच पर न रखना संविधान दिवस की भावना और सम्मान—दोनों का सीधा अपमान है।

प्राचार्य पर उठ रहे सवाल

फुटेज के सामने आने के बाद विद्यार्थी एवं सामाजिक संगठनों का कहना है कि एक महाविद्यालय के प्राचार्य होने के नाते प्राचार्य साहब की यह जिम्मेदारी थी कि वे संविधान दिवस के प्रतीकों का सही और सम्मानजनक उपयोग सुनिश्चित करें।

संविधान दिवस पर जन जागरूकता के रूप में मनाया गया

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

सोहागपुर। भारतीय संविधान दिवस पर ग्राम धपाड़ा में अहिरवार समाज के नागरिकों द्वारा मनाया गया। जिसमें समाज के सैकड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बौद्ध वंदना से सी.एल. बौद्ध एवं पिपरिया की बौद्ध गोष्ठी टीम के द्वारा वंदना से किया गया। नरसिंहपुर जिला के भीम मिशन गायक उमेश राज की गीत गायन मंडल द्वारा संविधान रचियता पूज्य बाबा साहेब अम्बेडकर जी के भारत में किये गए महान योगदान पर आधारित गीतों की प्रस्तुति देकर जन जन को संविधान के बारे में एवं बाबा साहेब अम्बेडकर जी के महान कार्यों से जागरुक किया। समाज के वरिष्ठ समाज सेवी एडवोकेट सुदामा प्रसाद चौराहेटिया, बृजेश आर्य, धनसिंह अहिरवार, पहलवान बक्सी, अहिरवार समाज संगठन के अध्यक्ष रमेश बामने, गनेश प्रसाद अहिरवार, नारायण अहिरवार कवि, डॉ. अमान सिंह अहिरवार, लेखराम अहिरवार, पतिराम अहिरवार,

धपाड़ा में संविधान दिवस जागरुकता कार्यक्रम के रूप में मना

धरमू मार्च, कमलेश अहिरवार शिक्षक, फागूराम अहिरवार, भागचंद अहिरवार, एवं कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रत्याशी पुष्पराज पटेल इत्यादि लोगों ने संविधान दिवस पर संविधान ग्रथ पर फूल अर्पित कर बाबा साहेब अम्बेडकर, गौतम बुद्ध, संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी ने संविधान दिवस पर अपने अपने उद्बोधन दिये।

राज्यस्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आशुतोष इमने का हुआ सम्मान।

उदयपुरा — ग्राम घुआरा की बेटी, भारतीय क्रिकेटर एवं वर्ल्ड कप चैंपियन क्रांति गौड़ तथा लायंस क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले (झांसी 1ह्य सागर) के अवसर पर उदयपुरा के उभरते युवा चेहरा एवं सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आशुतोष इमने को विशेष निमंत्रण देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं क्रांति गौड़ और आयोजन समिति ने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए सम्मान समारोह संपन्न कराया। उदयपुरा क्षेत्र के युवाओं में इस सम्मान से खुशी का माहौल देखा गया।

संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. अंबेडकर छात्रावास, श्यामला हिल्स भोपाल में 26 नवंबर 2025 को विचार संगोष्ठी हुई।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। छात्रों ने सामाजिक विसंगतियों, जातिवाद और सरकारी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। छात्रों ने मांग की कि संविधान दिवस को स्कूलों और कॉलेजों में व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाए, संवैधानिक मूल्यों और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, और छात्रावास व छात्रवृत्ति के बजट में सुधार हो। संगोष्ठी का समापन संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन और संवैधानिक मूल्यों को अपनाने की शपथ के साथ हुआ। छात्रों ने कहा कि जबकि सरकार धार्मिक आयोजनों जैसे 1 दिसंबर को गीता जयंती पर करोड़ों रुपये खर्च कर

रही है, संवैधानिक और वैज्ञानिक चेतना के लिए समुचित बजट और पहल नहीं हो पा रही। उन्होंने संविधान दिवस को संस्थागत ढंग से बढ़ावा देने और महापुरुषों की जयंती पर संवाद कार्यक्रम की भी आवश्यकता जताई। यह कार्यक्रम संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके निर्माताओं के योगदान और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर केंद्रित था, जिसमें छात्रों ने खुलकर अपनी बात रखी और संवैधानिक मूल्य समझ बढ़ाने की अपील की।

कार्यक्रम में – लक्ष्य भारतीय (SSYSU DISTRICT PRESIDENT BHOPAL.) छात्रावास – अध्यक्ष लवकुश साकेत, आशीष कायरे, शुभम मेहरा ,राहुल ,शिवजी समस्त छात्रावास के छात्र शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)